भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-17, अंक-08, | वि. स. 2078, | युगाब्द 5123 | अक्टूबर-2021 | डिजिटल संस्करण

मार्गदर्शक :

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

विजयदशमी पर्व - 15 अक्टूबर

भगवान श्री राम

सत्यरूप शिव को प्रिय, एक राम का नाम।
मर्यादा पुरुषोत्तम हे, तुमको नमन प्रणाम।।
जनजन की रक्षा करे, हरे सकल संताप।
ऐसे जनप्रिय राम को, कोटि कोटि प्रणाम।।

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य
आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है | आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें |

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं | अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन - दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
11. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

व्रत-पर्व और त्यौहार ये सब जीवन में हर्ष-उल्लास और आनन्द प्रदान करने के लिए आते हैं। हम इनका भरपूर सदुपयोग करते हैं। अपनी-अपनी कुल-परम्परा और रुचि के अनुसार देवी-देवताओं की पूजा और उपासना करते हैं। पर क्या कभी यह भी विचार करते हैं कि हमारे देवी देवताओं के हाथों में अस्त्र शस्त्र हैं तो क्यों हैं? इसका हेतु क्या है? संभवतः इस पर विचार करने की आवश्यकता ही नहीं समझते। जरा सोचें, शस्त्र स्वयं को सजाने की वस्तु तो हैं नहीं। शस्त्र हैं शक्ति के प्रतीक। इससे देवी-देवताओं का सीधा सन्देश है कि यदि ऐसी कोई विपत्ति आई हो जिसका निराकरण शस्त्र से ही सम्भव हो तो उसका शक्ति से निराकरण करें न कि केवल प्रार्थना करते बैठे रहें। साहस, शक्ति, निश्चय और युक्ति-बुद्धि से कष्टों को दूर करने में लगें तो कोई भी कष्ट दूर हो सकता है।

शास्त्रों का यह कथन है कि **"देवो दुर्बल घातकः"** अर्थात् देवता भी दुर्बलों के लिए घातक हैं। इसलिए हम स्वयं शक्तिशाली बनें और अपनी विपत्ति को दूर करने के लिए आगे बढ़ें तो देवता भी हमारे साथ आ खड़े होंगे। वीर शिवाजी का जीवन देखें, अपनों के विरोध के चलते सबल परकीयों के अत्याचार का निराकरण उन्होंने अपने गिने-चुने परन्तु अपने समान दृढ़ निश्चयी साथियों के बल पर किया। देखते ही देखते शत्रु के अनेक दुर्गों पर अधिकार भी कर लिया। वीर शिवाजी के पौरुष, निश्चय एवं विश्वास का माता भवानी ने भी सतत् साथ दिया। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि जब-जब हमने देवताओं के सन्देश का सम्मान किया तब-तब हम कठिन विपत्तियों को पार करते हुए सम्मानित होते रहे हैं और आज हिन्दू के नाते जिन्दा हैं। विजयदशमी के दिन घर-घर में शस्त्र पूजा की जाती है। कुछ घरों में तो पूजा के स्थान में देव प्रतिमा के साथ शस्त्र की भी नित्य पूजा होती रहती है। परन्तु अब देश में राजनीति का प्रभाव बढ़ने के साथ सामान्य समाज शक्ति की पूजा से विरत होता जा रहा है। प्रतिवर्ष अहंकार, अज्ञान, स्वार्थ एवं क्रूरता के प्रतीक रूप रावण, कुम्भकरण, मेघनाद के पुतलों को नौ दिनों तक साधना करने के बाद प्राप्त शक्ति से नष्ट कर दिया जाता है। यह सब आयोजन आमोद-प्रमोद के साधन मात्र बन कर रह गये हैं। इसके पीछे छुपी वास्तविकता की सर्वथा उपेक्षा ही कर दी जाती है। हम **'वीर भोग्या वसुन्धरा'** ऋषियों की यह वाणी भूलते जा रहे हैं। ध्यान रहे किसी को भी कल्याण या शान्ति कभी भी अकर्मण्य बनने से प्राप्त नहीं हो सकती है, उसके लिए भुजाओं में बल और मन में साहस-आत्मविश्वास की शक्ति चाहिए तभी कल्याण एवं शान्ति किसी का अनुसरण स्वतः करेगी ।

आज सबको यह समझने की आवश्यकता है कि विजयदशमी पर्व देश-भक्ति, साहस एवं संकल्प का पर्व है। हम राम के सच्चे भक्त तभी हो सकते हैं जब उनके आदर्शों एवं कार्यों को अपने जीवन में उतारकर दिखाएँ। तब रावण का उसके अनुचरों समेत उच्छेद कर हम हर्ष मनाने के सच्चे अधिकारी बन पायेंगे। अन्यथा जो स्वयं में दुर्बल, पतित और कायर हैं वे भला दूसरों का क्या हित कर सकेंगे? दूसरों के हित के लिए सेवा अथवा सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए तो व्यक्ति को मानसिक और चारित्रिक रूप से सबल, शुद्ध, सात्विक, साहसी और सेवाभावी होने की आवश्यकता है। इसी पवित्र मनोभाव के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

-शिव

अक्षय सेवा प्रकल्प

दिवंगत नर्सिंग ऑफिसर तोताराम गुर्जर की याद में एम्स फैमिली ने एक हजार लोगों को खिलाया खाना

अपने नाम को सार्थक करते हुए न्यास के प्रकल्प अक्षय सेवा के माध्यम से पिछले 1550 दिनों से अधिक समय से प्रतिदिन दिल्ली के तीन बड़े अस्पताल एम्स, RML और सफदरगंज के बाहर जरूरतमंदों को खाना खिलाया जाता है। पिछले 5 साल में 37 लाख लोगों को खाना खिलाया जा चुका है।

गत 13 सितम्बर को भाऊराव देवरस सेवा न्यास और एम्स फैमिली ने मिलकर दिवंगत नर्सिंग ऑफिसर तोताराम गुर्जर की याद में एम्स परिसर में स्टेट बैंक के पास 1000 लोगों को खाना खिलाया। साथ ही दिवंगत तोताराम के परिवार की आर्थिक मदद के लिये 15.5 लाख रुपये दान स्वरुप एकत्र किये गये और परिवार के सौंप दिए गए। न्यास के कोषाध्यक्ष सीए आर ए किला जी ने संस्था की तरफ से इस कार्यक्रम का प्रबंधन देखा। उन्होंने बताया कि भोजन वितरण के इस कार्यक्रम में एम्स के कार्डियो-रेडियो डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमरिंदर सिंह, विकास यादव, राजेश भाटी, विनाट गुर्जर, पवन, सुंदरपाल, मेघाराम आदि साथियों ने श्रमदान किया। बारिश के बावजूद भोजन वितरण कार्यक्रम सुचारू रूप से चलता रहा।

आप सभी से न्यास के इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग की अपेक्षा है। इच्छुक महानुभाव न्यास से संपर्क करें।

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

भाऊराव देवरस सेवा न्यास का एक प्रकल्प

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प की योजना से एस.जी.पी.आई. लखनऊ के सामने स्थित माधव सेवा आश्रम में माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र में एलोपेथिक व होम्योपैथिक चिकित्सक नियमित रूप से आते हैं और रोगियों का परीक्षण कर उनको दवा देते हैं।

इसी प्रकल्प की योजना से लखनऊ और उसके आस पास की कुछ बस्तियों में सचल चिकित्सा वाहनों द्वारा रोगियों का उपचार किया जाता है। इन बस्तियों में प्रमुख हैं - मोहन लाल गंज स्थित बिन्दौवा कुष्ठ आश्रम, माधव सेवा आश्रम स्थित रूग्ण सेवा केंद्र, 51 शक्ति पीठ बक्शी का तालाब, अम्बेडकर नगर लखनऊ इत्यादि।

माधवराव स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र, निराला नगर, लखनऊ

माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र में एलोपैथिक चिकित्सक डॉ के. एस. श्रीवास्तव जी रोगियों का परीक्षण करते हुए

माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ प्रेमधर दूबे जी एक रोगी का परीक्षण करते हुए

माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ विशाल केसरवानी जी रोगी महिला का परीक्षण करते हुए

माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र में एलोपैथिक चिकित्सक डॉ आर सी सक्सेना जी रोगियों का परीक्षण करते हुए

स्वास्थ्य केंद्र बिन्दौवा कुष्ठ आश्रम में रोगी महिलाओं का पंजीकरण

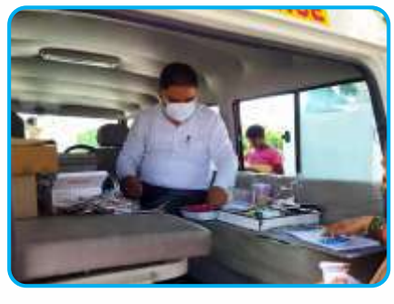

स्वास्थ्य केंद्र बिन्दौवा कुष्ठ आश्रम में सचल चिकित्सा वाहन द्वारा रोगियों को निशुल्क औषधि वितरण करते हुए न्यास के कार्यकर्ता

स्वास्थ्य केंद्र बिन्दौवा कुष्ठ आश्रम में रोगियों का पंजीकरण

स्वास्थ्य केंद्र बिन्दौवा कुष्ठ आश्रम मोहनलाल गंज में रोगी का परीक्षण करते हुए चिकित्सक

समर्थ भारत

समर्थ भारत उत्तम नगर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन समारोह

दिल्ली प्रान्त के पश्चिमी विभाग में सेवा भारती केंद्र उत्तम नगर में समर्थ भारत प्रशिक्षण केंद्र का दिनांक 4 सितम्बर 2021 को उद्घाटन हुआ। इस केंद्र में हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन दिल्ली प्रान्त के सेवा भारती के अध्यक्ष माननीय रमेश अग्रवाल जी ने किया। कार्यक्रम में समर्थ भारत और सेवा भारती के कई कार्यकर्ता भी उपस्थित

थे। क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया । अनेक प्रशिक्षार्थियों और शिक्षिकाओं ने भी कार्यक्रम में भी भाग लिया। संघ के पश्चिमी विभाग के कार्यवाह श्री रूद्रपाल जी की उपस्थिति ने भी सभी उपस्थित जनों को इस कार्य में अति-उत्साह से लगने का सन्देश दिया। इस केंद्र के द्वारा पश्चिमी दिल्ली के अनेक युवाओं को लाभ मिलेगा और वे अपना काम प्रारम्भ करने में सक्षम होंगे। यही समर्थ भारत का उद्देश्य भी है।

पावन स्मृति

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

अक्टूबर

दिनांक	दिवस	महापुरूष/घटना का नाम
1 अक्टूबर	पुण्य-तिथि	पेशावर काण्ड के नायक : चन्द्रसिंह गढ़वाली
2 अक्टूबर	जन्म-तिथि	गाँधी जी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी
4 अक्टूबर	जन्म-दिवस	भारतीय क्रान्ति के अग्रदूत : श्याम जी कृष्ण वर्मा
4 अक्टूबर	बलिदान-दिवस	जयमंगल पाण्डे और नादिर अली का बलिदान
7 अक्टूबर	जन्म-दिवस	क्रान्तिकारी : दुर्गा भाभी
9 अक्टूबर	जन्म-दिवस	गृहस्थ प्रचारक : भैया जी दाणी
10 अक्टूबर	जन्म-दिवस	राष्ट्रयोगी : श्री दत्तोपन्त ठेगंड़ी
11 अक्टूबर	जन्म-दिवस	आधुनिक चाणक्य : नानाजी देशमुख
15 अक्टूबर	जन्म-दिवस	सर्वाच्च स्थान पर : डॉ० अब्दुल कलाम
15 अक्टूबर	पुण्य-तिथि	राष्ट्रधर्म के प्रथम सम्पादक : डॉ० राजीवलोचन
19 अक्टूबर	जन्म-दिवस	लोकसन्त : पाण्डुरंग शास्त्री आठवले
22 अक्टूबर	जन्म-दिवस	स्वामी रामतीर्थ
26 अक्टूबर	जन्म-दिवस	गोविन्द भक्त : सन्त नामदेव
28 अक्टूबर	जन्म-दिवस	भारत की महान पुत्री : भगिनी निवेदिता
30 अक्टूबर	जन्म-दिवस	परमाणु कार्यक्रमों के प्रणेता : डॉ० होमी जहाँगीर भाभा
31 अक्टूबर	जन्म-दिवस	लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

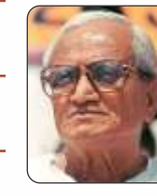

मोहनदास करमचंद गांधी

मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म दो अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्होंने देश की आजादी के लिए लोगों को प्रेरित किया और उनका नेतृत्व भी किया ।

उनके जन्मदिन को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। गाँधी जी के आदर्शो पर चलकर हम एक उत्क्रष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकते है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री

देश के दूसरे प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म भी 2 अक्टूबर 1904 को उत्तरप्रदेश में हुआ था।

वे एक विशुद्ध गांधीवादी नेता थे जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी और गरीबों की सेवा करने में समर्पित कर दिया। एक सादगी पसंद राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ वह एक साफ छवि वाले ईमानदार और देशभक्त प्रधानमंत्री भी थे। देश के जवानों और किसानों को अपने कर्म और निष्ठा के प्रति सुदृढ़ करने और देश को खाद्य संबंधी हर क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया जिसका अनुसरण स्वतंत्र भारत आज भी करता है।

'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल

सरदार पटेल गुजरात के नाडियाड में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे थे। आजादी के विभिन्न आन्दोलनों में उनकी सक्रिय भूमिका रही | **खेड़ा सत्याग्रह का किया नेतृत्व** - वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा में सूखे की वजह से किसान कर देने में असमर्थ हो गए थे। महात्मा गांधी के निर्देश पर उन्होंने खेड़ा में सत्याग्रह की अगुआई की। पटेल के नेतृत्व में किसानों के प्रदर्शन के आगे सरकार को झुकना पड़ा और करों में रियायत देनी पड़ी।

आजादी के बाद 562 रियासतों में बंटे भारतीय संघ को एकीकृत करना बड़ी चुनौती थी। गृहमंत्री होने के नाते सरदार ने यह जिम्मेदारी ली। उन्होंने कश्मीर को छोड़कर शेष सभी रियासतों का भारत में विलय करा दिया। सरदार की अद्भुत कूटनीतिक कौशल और नीतिगत दृढ़ता की वजह से महात्मा गांधी ने उन्हें 'लौहपुरुष' कहा था। 15 दिसंबर 1950 को मुंबई में उनका निधन हो गया था। कहते हैं कि जब उनका निधन हुआ तब उनके बैंक खाते में सिर्फ 260 रुपए मौजूद थे।

'भारत रत्न' सरदार पटेल - सरदार पटेल के निधन के 41 साल बाद सन् 1991 में उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। उनकी ओर से यह सम्मान उनके पौत्र विपिनभाई पटेल ने स्वीकार किया था।

दत्तोपन्त ठेंगड़ी

वर्धा जिले के आरवी गांव में श्री दत्तोपंत का जन्म हुआ। भोगवादी जीवन से परांगमुख हो उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में अपना तन मन सभी राष्ट्र सेवा में अर्पित कर दिया। अनेक वर्षों तक मद्रास, केरल एवं बंगाल प्रांतों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में श्री ठेंगड़ी जी ने कार्य किया। 23 जुलाई, 1955 के दिन श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना करते हुये 'रोज़गार मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है' की घोषणा करके इस नवोदित महासंघ का एक ही वाक्य में समूचा उद्देश्य रख दिया। आज भारतीय मजदूर संघ प्रगति करता हुआ, देश के श्रमिक क्षेत्र का एक प्रतिनिधि संगठन बन चुका है।

नानाजी देशमुख

नानाजी का जन्म महाराष्ट्र के परभणी जिले में 11 अक्तूबर, 1916 को हुआ था। 'मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूं', इस लक्ष्य वाक्य पर चलते हुए उन्होंने देश के कई ऐसे गांवों की तस्वीर बदल दी, जो विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर थे। नानाजी ने भारत के ग्रामीण क्षेत्र को करीब से देखा था, इसके विकास के लिए उन्होंने अभूतपूर्व काम किये थे। गाँव में सारी सुख सुविधा मिल सके, इसके लिए नानाजी हमेशा तत्पर रहे थे। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन को नानाजी एक नयी राह दी थी. नानाजी को देश विदेश में बहुत से सम्मान मिले है, 2019 में भारत सरकार ने देश के सबसे बड़े पुरस्कार भारत रत्न से नानाजी को सम्मानित किया है।

डॉ॰ होमी जहाँगीर भाभा

भारत के महान परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक होमी जहांगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर 1909 को मुंबई में हुआ | उन्होंने देश के परमाणु कार्यक्रम के भावी स्वरूप की ऐसी मजबूत नींव रखी, जिसके चलते भारत आज विश्व के प्रमुख परमाणु संपन्न देशों की कतार में खड़ा है। उनकी नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत उत्पादन की कल्पना को कोई मानने को तैयार नहीं था। उन्होंने **कॉस्केट थ्योरी ऑफ इलेक्ट्रान** का प्रतिपादन करने साथ ही कॉस्मिक किरणों पर भी काम किया जो पृथ्वी की ओर आते हुए वायुमंडल में प्रवेश करती है। वो भारत के **'एटॉमिक एनर्जी कमीशन'** के पहले अध्यक्ष भी थे।

विभिन्न विश्राम सदनों में सितम्बर - 2021 की उपस्थिति

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना
1	जम्मू कश्मीर			12	
2	हिमाचल प्रदेश			1	
3	पंजाब				
4	हरियाणा				
5	दिल्ली	5	3	1	
6	उत्तराखंड			20	
7	उत्तर प्रदेश	1427	757	122	8
8	बिहार	693	22	206	1385
9	झारखण्ड	62		9	14
10	सिक्किम				
11	नागालैंड				
12	असम	3		5	2
13	मणिपुर /मिजोरम				
14	अरुणाचल प्रदेश				
15	त्रिपुरा			4	
16	मेघालय				
17	प. बंगाल	3		22	2
18	ओडिशा/अंदमान				
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			4	2
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी				
21	कर्नाटक			1	
22	केरल				
23	महाराष्ट्र /गोवा			2	
24	मध्य प्रदेश	65		31	
25	छत्तीसगढ़	9			
26	गुजरात	12			
27	राजस्थान		3	22	1
28	अन्य	8			
	पड़ोसी देश				
29	नेपाल	6			10
30	बांग्लादेश				
31	अन्य देश				
	योग (इस मास)	**2293**	**785**	**462**	**1424**
	योग (अप्रैल-सितम्बर 2021)	**11003**	**2704**	**1948**	**4607**

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र	सितम्बर	योग अप्रैल - सित. 2021
(सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा)	214	355
(51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब)	13	13
अम्बेडकर नगर	65	65
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर		
एलोपेथिक	541	852
होम्योपैथिक	340	1165
रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	211	1241
कुल लाभान्वित रोगी	**1374**	**3758**

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

सितम्बर 2021 में दी गई सेवाएँ

	सितम्बर	योग अप्रैल - सित. 2021
नेत्र परीक्षण	525	1539
चश्मा वितरण	327	1004
मोतियाबिंद ऑपरेशन	--	--
पैथोलॉजी	1	8

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	सम्पर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, IGIMS पटना (बिहार)	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457